वाकेथॉन के साथ शुरू हुआ आइआइएम यूथ फेस्ट 'एगॉन-रश 6.0'

प्रतिभा और बुद्धिमता से हर मुकाम कर सकते हैं हासिल

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइआइएम रांची का यूथ फेस्ट एगॉन-रश 6.0 का वर्चुअल आगाज शुक्रवार को हुआ. शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई. आइआइएम रांची के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने कहा कि यूथ फेस्ट में होनेवाली प्रतियोगिताओं का मकसद असफल या सफल की खोज करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को एक-दूसरों से जुड़ने, अपनी क्षमता को बढ़ाने, लीडरशिप क्वालिटी और टीम भावना को बढ़ावा देना है. उन्होंने यूथ फेस्ट के थीम 'डायवरजेंस' को विस्तार किया.

इस दौरान प्रो नितिन सिंह ने लेखक जेके रॉलिंग के कथन से प्रेरित करते हुए कहा कि प्रतिभा और बुद्धिमता के बल पर विद्यार्थी हर मुकाम हासिल कर सकता है. विद्यार्थी कभी खुद को दूसरे से तुलना कर निराश न हों.

आइआइएम रांची ने जीता बी-प्लानिंग कंपीटिशन

एगॉन-रश में देशभर के 50 से अधिक बी-स्कूल शामिल हुए. पहले दिन एगॉन 6.0 (मैनेजमेंट कंपीटिशन) - मैनव्येर 6.0 का आयोजन हुआ. विद्यार्थियों ने बी-प्लानिंग कंपीटिशन में हिस्सा लेते हुए सिस्टेमैटिक इंटरप्रन्योरशिप पर प्रेजेंटेशन दिये. इसमें आइआइएम रांची की टीम विजेता बनी. विजेता टीम को 28 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया. निर्णायक मंडली में अनिल मोहंती, डॉ पियाली घोष, मणिकांत, आशुतोष बरवाल और फैजल एम हसन शामिल थे.

अगले दो दिनों तक होगा सांस्कृतिक जुटान

सात फरवरी तक आयोजित यूथ फेस्ट के दौरान शनिवार और रविवार को 'रश 6.0' का आयोजन होगा. इस दौरान केस स्टडी आधारित प्रतियोगिताएं, ऑनलाइन गेम, डांस, क्विज, म्यूजिक समेत अन्य प्रतियोगिताएं संचालित होंगी.

ट्रांसजेंडरों को सकारात्मक विचार से प्रेरित करना जरूरी

यूथ फेस्ट के दौरान यूएनजीसी क्लब की ओर से वाकेथॉन का आयोजन किया गया. वर्चुअल मोड पर वॉकेथॉन के थीम वॉक फॉर ए कॉज पर चर्चा की गयी. मुख्य अतिथि केपीएमजी की निदेशक जैनब पटेल ने कोरोना काल में ट्रांसजेंडर समुदाय की चुनौतियों पर लोगों को जागरूक करने की बात कही. उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडरों को सकारात्मक सोच के साथ बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया.

Prabhat Khabar, 06.02.2021, Pg. 10